अंक 1

जुलाई - दिसम्बर, 2006

सत्यमेव जयते

पथ भारती

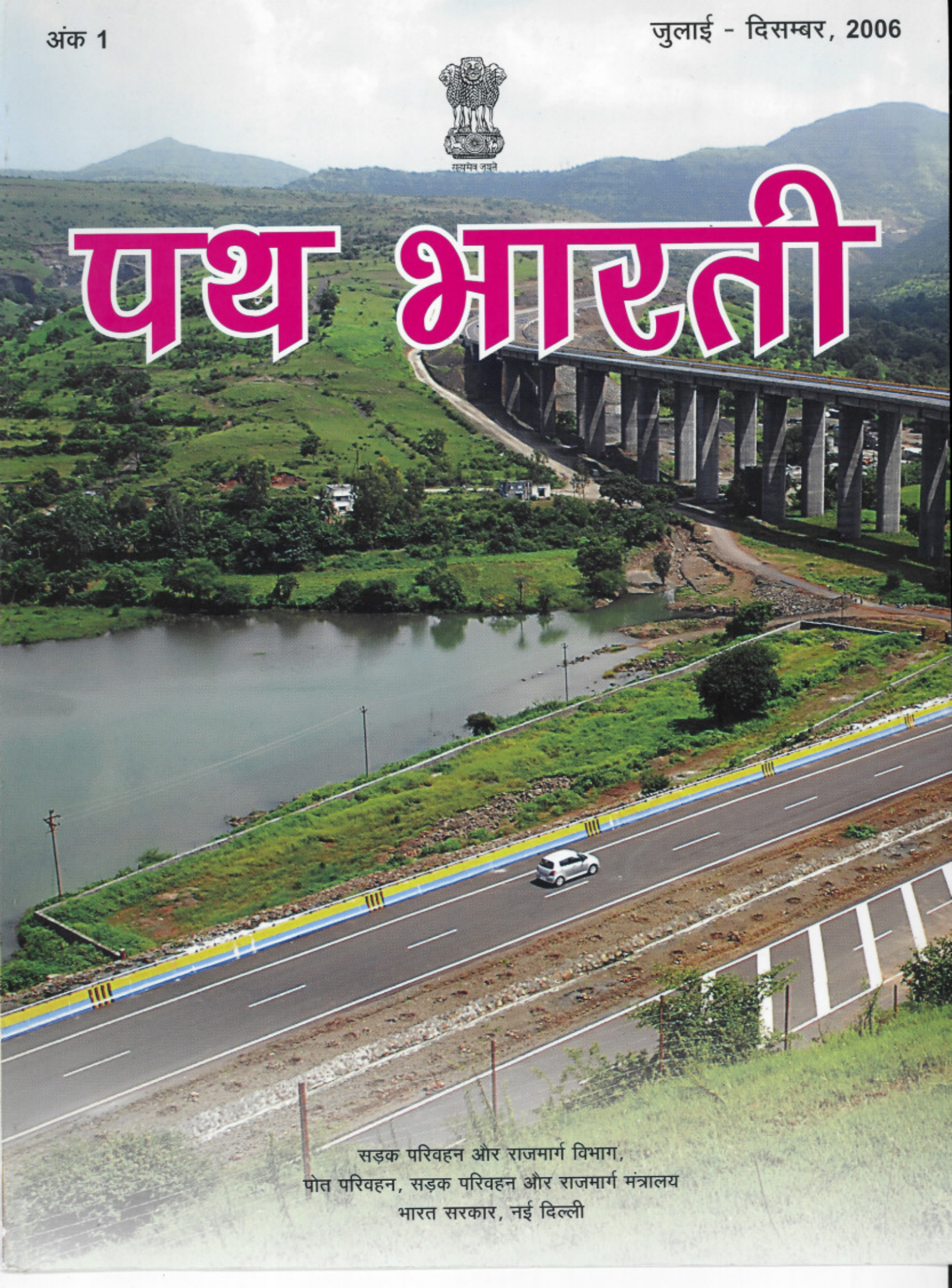

सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग,
पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

निःशुल्क वितरण के लिए

पथ भारती

(सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग की अर्द्ध–वार्षिक पत्रिका)

अंक–1

जुलाई–दिसंबर, 2006

संरक्षक

श्री विजय सिंह
सचिव, भारत सरकार

प्रधान संपादक

श्री सरोज कुमार दास
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

कार्यपालक संपादक

श्री प्रभाकर
उप सचिव (राजभाषा)

संपादक

श्री सुनील कुमार
उप निदेशक (राजभाषा)

उप संपादक

श्री कंवर सिंह यादव
सहायक निदेशक (राजभाषा)

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखकों के हैं और विभाग का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संपर्क सूत्र

संपादक

पथ भारती
सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग,
भूतल, कमरा नं. 18, परिवहन भवन
1, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

विषय सूची

	लेख	लेखक	पृष्ठ सं.
☞	माननीय (पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग) मंत्री जी का संदेश		
☞	माननीय राज्य मंत्री (पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग) जी का संदेश		
☞	सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग का संदेश		
☞	संपादकीय	प्रधान संपादक	
☞	सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग के मुख्य कार्य		1
☞	विभाग के अर्द्ध–वार्षिक कार्य–कलापों का सार (दिसम्बर, 2006 तक)		3
☞	सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग विकास का उच्चतर सोपान	पदमश्री बेकल उत्साही	9
☞	हिन्दी का वैश्वीकरण	श्री पी. आर. वासुदेवन	11
☞	सड़क का इतिहास एवं भारत में सड़क का विकास	श्री बिमलेश नंदन सहाय	15
☞	तकनीकी शब्दावली का निर्माण व एकरूपता की समस्या	श्री रघुनाथ सहाय	23
☞	पुलों के रख–रखाव का महत्व	श्री आर. के. धीमान	29
☞	कोई क्या जाने (कविता)	श्री रनवीर सिंह	34
☞	सड़क सुरक्षा	श्री अवधेश कुमार सिंह भदौरिया	39
☞	अज्जी जी (कहानी)	श्री बा. शे. दिवाकर	45
☞	छाया	डॉ. सरोज कुमार त्रिपाठी	47
☞	सहज योग	श्री चमन लाल	51
☞	मशीनी जिन्दगी (कविता)	श्री महेन्द्र सिंह दयाल	52

टी. आर. बालु
T.R. BAALU

सत्यमेव जयते

मंत्री
पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग
भारत सरकार
नई दिल्ली – 110 001

MINISTER
SHIPPING, ROAD TRANSPORT & HIGHWAYS
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110 001

संदेश

मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई है कि मेरे मंत्रालय का सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग हिंदी में **'पथ भारती'** के नाम से एक पत्रिका निकाल रहा है।

हमारा यह विभाग सड़क और सड़क परिवहन के माध्यम से जन–जन से जुड़ा है। इस विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्य सड़क सुरक्षा की जानकारी देश के हर नागरिक तक पहुँचाना भी है। सरकार की यह नीति है कि विभाग के कार्य–कलापों की जानकारी आम आदमी तक पहुँचे। जन–भाषा में निकाली जाने वाली विभागीय पत्रिकाएं इस कार्य के लिए एक कारगर साधन हैं; विभाग द्वारा इस पत्रिका के माध्यम से आम आदमी को राजमार्ग और सड़क सुरक्षा की जानकारी दी जाए। मैं चाहूँगा कि इस पत्रिका के माध्यम से विभाग के ऐसे कार्यों की जानकारी अवश्य दी जाए, जो आम आदमी तक पहुँचाई जानी आवश्यक हो।

मैं, इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई देता हूँ और इसके सफल प्रकाशन की शुभ कामना करता हूँ।

टी. आर. बालु

टी. आर. बालु)

के. एच. मुनियप्पा
K. H. MUNIYAPPA

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली – 110 001

MINISTER OF STATE
IN THE MINISTRY OF SHIPPING,
ROAD TRANSPORT & HIGHWAYS
NEW DELHI - 110 001

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग हिन्दी में **''पथ भारती''** के नाम से एक पत्रिका निकाल रहा है। जन–साधारण तक सूचना और जानकारी का प्रचार करने में हिंदी पत्रिकाओं की बहुत बड़ी भूमिका है।

हमारा विभाग सड़क निर्माण के कार्य से जुड़ा है और सड़कें जन–साधारण से और देश के कोने–कोने से जुड़ी हैं। अतः बहुत समय से यह आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि हिंदी में एक ऐसी पत्रिका निकाली जाए जिसके द्वारा इस विभाग के कार्यकलापों की जानकारी जन–साधारण तक पहुँचाई जा सके। मैं आशा करता हूँ कि **''पथ भारती''** के माध्यम से विभाग के कार्यकलापों का जन–साधारण में व्यापक प्रचार होगा।

मैं, इस पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभ कामना करता हूँ और यह भी आशा करता हूँ कि विभाग के कार्यकलापों का हिंदी में प्रचार–प्रसार करने और विभाग के काम–काज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने में यह पत्रिका सहायक सिद्ध होगी।

के. एच. मुनियप्पा

(के. एच. मुनियप्पा)

विजय सिंह
VIJAY SINGH

सत्यमेव जयते

सचिव
पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
(सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग)
नई दिल्ली – 110 001

SECRETARY
MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT & HIGHWAYS
(DEPARTMENT OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS)
NEW DELHI - 110 001

संदेश

मेरे लिए यह हर्ष का विषय है कि विभाग अपनी पत्रिका **''पथ भारती''** का प्रवेशांक निकाल रहा है।

विभागीय पत्रिका निकालने का प्रमुख उद्देश्य विभाग के कार्यक्षेत्र में आने वाले विषयों पर हिंदी में जानकारी उपलब्ध कराना और विभाग संबंधी क्रिया कलापों के व्यापक प्रचार–प्रसार के साथ–साथ रोचक, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी जानकारी भी उपलब्ध कराना है।

इस अंक में विभाग संबंधी तकनीकी विषयों, संघ की राजभाषा नीति, साहित्यिक विधाओं, सामयिक तथा सामान्य रूचि के विषयों पर लेखादि शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, इसमें वर्ष 2006–07 की छमाही (1.7.2006 से 31.12.2006) तक के विभागीय क्रिया–कलापों का ब्योरा भी प्रकाशित किया जा रहा है।

मैं आशा करता हूँ कि यह पत्रिका विभागीय क्रिया–कलापों के व्यापक प्रचार–प्रसार करने के साथ–साथ सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देगी और सुविज्ञ पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

विजय सिंह

(विजय सिंह)

संपादकीय

पथ भारती का प्रवेशांक आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग का मुख्य कार्य राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण तथा अनुरक्षण और सड़क सुरक्षा है। राष्ट्रीय राजमार्ग वे मार्ग हैं, जो एक राज्य को दूसरे राज्य से जोड़ते हैं तथा राष्ट्रीय महत्व के हैं। सरकार ने देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के नाम से एक व्यापक कार्यक्रम आरंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना के विभिन्न चरणों में राष्ट्रीय राजमार्गों को उन्नत करके चार/छह/आठ लेनों का बनाया जा रहा है। इसके साथ–साथ राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों, सड़क उपरिपुलों, सड़क भूमिगत पुलों, रेल उपरिपुलों तथा रेल भूमिगत पुलों का भी निर्माण किया जा रहा है। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास तथा अनुरक्षण के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता है। इसको ध्यान में रखते हुए सड़क क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा दिया गया है और अब राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित परियोजनाएं सार्वजनिक–निजी भागीदारी के आधार पर सौंपी जा रही हैं। इसके अलावा, यह विभाग केन्द्रीय सड़क निधि से राज्यों को सड़कों के निर्माण तथा सुधार के लिए धनराशि उपलब्ध कराता है। देश में सड़कों के सुधार के लिए यह विभाग आर्थिक महत्व की स्कीम तथा अन्तर्राज्यीय सड़क संपर्क स्कीम भी चला रहा है जिसमें राज्यों को सड़क सुधार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

इस विभाग का एक और महत्वपूर्ण विषय सड़क सुरक्षा है। वैसे तो सड़क प्रयोक्ताओं की सुरक्षा मुख्यतः संबंधित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। तथापि, इस विभाग ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए अनेक उपाय किए हैं। सड़क सुरक्षा, राष्ट्रीय राजमार्गों/एक्सप्रेस मार्गों की योजना के स्तर पर सड़क डिजाइन का एक अभिन्न अंग है। वाहन के सुरक्षा मानक कठोर बनाए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्घटना राहत सेवा स्कीम के अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों/गैर सरकारी संगठनों के लिए क्रेनों तथा एम्बुलेंसों की व्यवस्था की जाती है। ऐसे राष्ट्रीय राजमार्गों पर जिनका निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने किया है, के प्रत्येक 50 किलोमीटर की दूरी पर एम्बुलेंस का प्रावधान है। देश में आदर्श चालक प्रशिक्षण स्कूलों की स्थापना की गई है। सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वैच्छिक संगठनों/व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की व्यवस्था की गई है। दृश्य–श्रव्य प्रिंट मीडिया के माध्यम से देश भर में सड़क सुरक्षा जागरुकता प्रचार अभियान चलाया जाता है। संगठित क्षेत्रों के भारी मोटर वाहन चालकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जाता है।

'पथ भारती' के प्रवेशांक में देश में सड़कों के विकास, राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण तथा अनुरक्षण, पुलों के रख–रखाव और सड़क सुरक्षा जैसे विषयों को शामिल किया गया है। इस पत्रिका में विविधता लाने के उद्देश्य

से कविताएं, कहानी, सामान्य रूचि के विषयों पर लिखे लेखों को भी शामिल किया गया है। हमारा यह विनीत प्रयास आपके सम्मुख है। सुधी पाठकों के विचार और सुझाव सदैव आमंत्रित हैं। मैं आशा करता हूँ कि इस पत्रिका को और अधिक आकर्षक, उपयोगी और रुचिकर बनाने के लिए प्रबुद्ध पाठक अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अवश्य अवगत कराएगें। इसके साथ मैं आपसे यह भी अनुरोध करना चाहूँगा कि यदि आप भी लेख आदि लिखते हों तो वे हमें अवश्य भेजें। आपसे पूर्ण सहयोग की आशा में।

सरोज कुमार दास

(सरोज कुमार दास)

प्रधान संपादक